भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या : 401
दिनांक 21 अगस्त, 2025

तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम द्वारा परामर्श संबंधी अनुबंध

*401. **श्री आनंद भदौरियाः**

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) द्वारा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में मेसर्स बेसिक-फ्रैनलैब को परामर्श संबंधी कार्यों का कोई ठेका किसी निविदा प्रक्रिया का पालन किए बिना ही नामांकन के आधार पर प्रदान किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा तथा उक्त सभी परियोजनाओं के लिए कार्यों का मूल्य और अनुबंधों का स्वरूप क्या है;

(ख) ऐसी विदेशी कंपनियों के नाम क्या हैं जिन पर उक्त कार्यों के लिए विचार नहीं किया गया है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या उक्त अनुबंध सामान्य वित्तीय नियमों (जीएफआर) और सीवीसी दिशानिर्देशों के अनुरूप है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) यदि नहीं, तो उक्त चूक के लिए कौन-कौन व्यक्ति जिम्मेदार हैं; और

(ङ) क्या इस संबंध में कोई जिम्मेदारी तय की गई है और यदि हाँ, तो इस संबंध में की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) से (ङ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

'तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम द्वारा परामर्श संबंधी अनुबंध' के बारे में संसद सदस्य श्री आनंद भदौरिया द्वारा दिनांक 21 अगस्त, 2025 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 401 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) से (ग): जी नहीं। ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) द्वारा मेसर्स बेसिक-फ्रैनलैब को पूर्वोत्तर क्षेत्र में कोई परामर्श संबंधी कार्य नहीं सौंपा गया है।

(घ) से (ङ): उपर्युक्त आलोक में प्रश्न नहीं उठता।

यह महत्वपूर्ण है कि ओएनजीसी एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) है और हमारी अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख योगदानकर्ता है। यह पारगम्य रिजर्वायरों के मॉडलिंग, गहरे पानी के उपसतह अध्ययन और उत्पादन वृद्धि हेतु आँकड़ों की व्याख्या जैसे जटिल तकनीकी अध्ययनों के लिए अनुभवी विशेषज्ञ संस्थाओं के साथ काम करता है। इन अध्ययनों के लिए अत्यधिक विशिष्ट डोमेन ज्ञान, स्वामित्व/पेटेंट प्राप्त सॉफ़्टवेयर, उन्नत मॉडलिंग तकनीक, अनुसंधान अवसंरचना और समय पर डिलिवरी संबंधी क्षमताओं की आवश्यकता होती है।

दुनिया भर में, केवल कुछ ही संस्थाएँ इस प्रकार की विशिष्ट सेवाएँ प्रदान करती हैं। ऐसी ही एक संस्था, मेसर्स बेइसिप-फ्रैनलैब, आईएफपीईन (इंस्टीट्यूट फ्रांसेइस डू पेट्रोल एनर्जीज न्यूवेल्स) के नियंत्रणाधीन संचालित है, जो फ्रांस सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के अधीन एक अत्याधुनिक और विश्व प्रसिद्ध अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) संस्थान है। आईएफपीईएन के पास इन विशिष्ट क्षेत्रों में विशेष रूप से गहरे और अति-गहरे जलीय अध्ययनों का व्यापक रूप से वैश्विक अनुभव और मान्यता प्राप्त है, और रिजर्वायर मॉडलिंग के लिए पेटेंट प्राप्त स्वामित्व सॉफ्टवेयर है, जो तकनीकी रूप से जटिल है। इसके अलावा, ओएनजीसी का आईएफपीईएन के साथ एक मौजूदा समझौता ज्ञापन (एमओयू) (अंतिम बार वर्ष 2023 में नवीनीकृत) है, जो हाइड्रोकार्बन भंडारों की खोज और विकास और नवीकरणीय ऊर्जा सहित नई तकनीकों के कार्यान्वयन के लिए संयुक्त अनुसंधान और तकनीकी सहयोग से जुड़ा है।

ओएनजीसी अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित दिशानिर्देशों के अनुसार देश भर में बड़ी संख्या में अन्वेषण और उत्पादन परियोजनाएं क्रियान्वित करना है, जो सामान्य वित्तीय नियमों (जीएफआर) और केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा निर्धारित सिद्धांतों के अनुरूप हैं। बिन्दु सं. (क) के संदर्भ में यह दोहराया जाता है कि ओएनजीसी के पूर्वोत्तर क्षेत्र में मेसर्स बेसिक-फ्रैनलैब को कोई अनुबंध नहीं दिया गया है। अन्य क्षेत्रों में भी, यह पाया गया है कि मेसर्स बेसिक-फ्रैनलैब को दिए गए कार्यों का कुल मूल्य पिछले पांच वर्षों में 6.5 करोड़ रुपये से कम है, जो इस महारत्न कंपनी के लिए एक नगण्य प्रतिशत है, जिसका औसत कर-पश्चात लाभ (पीएटी) 33,000 करोड़ रुपये प्रति वर्ष (पिछले पांच वर्षों में) से अधिक है।

*****